Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 19, Issue No. 6, December-2022, ISSN 2230-7540

आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विशेष महत्व

मंजूलता सराठे[1]*, डॉ. पूर्णिमा चौधरी[2]

[1] शोधार्थी, भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

[2] शोध निर्देशक, एसोसिएट प्रोफेसर (प्रध्यापक), भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

***सार** - पत्रकारिता आधुनिक जगत में एक व्यवसाय करने का भी मुख्य कार्य करती है पत्रिकायें भी व्यवसाय के रूप में हमें देखने को मिलती है। पत्रकारिता में खबरों, समाचारों जानकारियों का विषेष रूप से एकत्रीकरण होता है। यही एकत्रीकरण को संपादक अपनी लेखन शैली एवं भाषा शैली के माध्यम से सरलता पूर्वक पाठकों तक प्रस्तुतीकरण कर पत्र-पत्रिका, मैंगजीन, समाचार-पत्रों अखबारों के द्वारा पत्रकारिता को सम्पादित करने का कार्य करता है। वर्तमान में या आज के समय में पत्रकारिता के ओर भी माध्यमों को माना जाता हैं जैसे कि-रेडियों, दूरदर्षन, क्षैत्रिय भाषा की पत्र-पत्रिकायें, नेट, सोषल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेब-पत्रकारिता, इंटरनेट आदि अनेकों पत्रकारिता के माध्यम माने गये है। समय-समय पर इनके मूल्यों का भी बदलाव होता गया है। यदि हम 1857 के बाद की पत्र पत्रिकाओं पर नजर डालें तो हमें देखने में आता है कि वे पत्रिकायें राष्ट्र प्रेम व स्वतंत्रता क्रांति पर आधारित हैं तथा उनका मुख्य उद्देष्य स्वतंत्रता प्राप्ति का था। परन्तु अब समय बदल गया है इनके तत्वों में भी बदलाव आता चला गया है आज के युग की मांग पत्रकारिता में कुछ प्रमुख तत्वों को स्थान देने का काम करती है। जैसे कि समाचार-पत्र लेखन में विषेष रूप से संक्षिप्ता हो, सत्यता हो, स्पष्टता हो, नवीनता हो, चिंतनता-मननता हो, गंभीरता हो, संवेदनषीलता हो, सकारात्मकता हो, इन सब तत्वों का समावेष आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विषेष महत्व दर्षाता है।*

***कीवर्ड** - पत्रिकारिता आधुनिक हिंदी समाचार पत्र राजनीती*

----------X----------

परिचय

वर्तमान समय में आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विषेश महत्व ही नहीं बल्कि यह मानव जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया है क्योंकि आज का मानव सुबह सबेरे उठते ही सबसे पहले समाचार पत्र की ओर भागता नजर आता है वह चाय बाद में पीता है और दैनिक समाचार-पत्र पहले पढ़ता है। पत्रकारिता पिछले दिन की घटनाओं का, सामाजिक गतिविधियों का तथा मानवीय कार्यकलापों का वर्णन एक व्यवस्थित ढंग से सामाजिक दृष्टि से लोगों के सामने प्रस्तुत करता है। या हम कह सकते हैं कि पत्रकारिता सुचारू रूप से समाज को चलाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य करती है। पत्रकारिता का एक तथ्य नहीं है इसके अनेक तत्व हम देख सकते हैं। अर्थात् कहने का तात्पर्य यहां पर यह है कि आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का महत्व किसी एक क्षेत्र से हमें अवगत नही कराता बल्कि ऐसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्र देखने को मिलते हैं। जैसे कि सामाजिक दृष्टि से, राष्ट्रीयता की दृष्टि से, राजनैतिक दृष्टि से, खेल की दृष्टि से, मनोरंजन की दृष्टि से, देष विदेष की खबरों की दृष्टि से, षिक्षा की दृष्टि से और इस प्रकार से अन्तराष्ट्रीय दृष्टि में भी पत्रकारिता एक अपना महत्वपूर्ण स्थान रखती है अर्थात् विषेश महत्वपूर्ण ढंग से अपनी भूमिका निभाती है। यदि पत्रकारिता न हो तो मानव के जीवन का एक विषेष हिस्सा खत्म सा प्रतीत होगा।

पत्रकारिता आधुनिक जगत में एक व्यवसाय करने का भी मुख्य कार्य करती है पत्रिकायें भी व्यवसाय के रूप में हमें देखने को मिलती है। पत्रकारिता में खबरों, समाचारों जानकारियों का विषेष रूप से एकत्रीकरण होता है। यही एकत्रीकरण को संपादक अपनी लेखन शैली एवं भाषा शैली के माध्यम से सरलता पूर्वक पाठकों तक प्रस्तुतीकरण कर पत्र-पत्रिका, मैंगजीन, समाचार-पत्रों अखबारों के द्वारा पत्रकारिता को सम्पादित करने का कार्य करता है। वर्तमान में या आज के समय में पत्रकारिता के ओर भी माध्यमों को माना जाता हैं जैसे कि-रेडियों, दूरदर्षन, क्षैत्रिय भाषा की पत्र-पत्रिकायें, नेट, सोषल मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, वेब-पत्रकारिता, इंटरनेट आदि अनेकों पत्रकारिता के माध्यम माने गये है। समय-समय पर पत्रकारिता के मूल्यों का भी बदलाव होता गया है। यदि हम 1857 के बाद की पत्र

www.ignited.in

पत्रिकाओं पर नजर डालें तो हमें देखने में आता है कि वे पत्र पत्रिकायें राष्ट्र प्रेम व स्वतंत्रता क्रांति पर आधारित हैं तथा उनका मुख्य उद्देष्य स्वतंत्रता प्राप्ति का था। परन्तु अब समय बदल गया है तो पत्रकारिता के तत्वों में भी बदलाव आता चला गया है आज के युग की मांग पत्रकारिता में कुछ प्रमुख तत्वों को स्थान देने का काम करती है। जैसे कि समाचार-पत्र लेखन में विषेष रूप से संक्षिप्ता हो, सत्यता हो, स्पष्टता हो, नवीनता हो, चिंतनता-मननता हो, गंभीरता हो, संवेदनषीलता हो, सकारात्मकता हो, इन सब तत्वों का समावेष आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विषेष महत्व दर्शाता है।

आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता के आरंभ में ही समाचार-पत्रों को स्थान दिया गया था। पत्रकारिता के स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए अनेकों विद्धानों ने अपने-अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये हैं। आधुनिक पत्रकारिता में लिखने की कला, संपादन तथा पत्रकार का कौशल, भाषा शैली, शीर्षक, संरचना सुंदरता, विज्ञापन आदि पत्रकारिता के प्रमुख घटक होते हैं। आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विशेष महत्व राजनीतिक क्षेत्र में कुछ इस प्रकार से है। राजनीतिक क्षेत्र मानव जीवन के साथ ही अखबारों, समाचारों का एक विषेष हिस्सा या अंग बन चुकी है। इसका मुख्य कारण यह है कि आज का मानव साक्षर, शिक्षित हो चुका है तथा उसकी जिज्ञासायें बढ़ गई है वह हर क्षेत्र में हस्तक्षेप करने लगा है जिसकी वजह से राजनीति में भी वह हिस्सा या भागीदारी लेने लगा है। यही कारण है कि समाचार-पत्रों में राजनीति को विशेष महत्वपूर्ण स्थान दिया गया हैं। पत्रकार राजनीति समस्या को उठाने का कार्य करता है तथा जनता की आवाज को राजनीतिज्ञ तक पहुंचाता है। सत्ता में स्थित पार्टीयों के आरोपों-प्रत्यारोपो को एवं राजनीति गतिविधियों को जनता से अवगत कराता-रहता है। साथ ही कार्टून एवं व्यंग्य के माध्यम से राजनीतिक नेताओं को करारा जबाव भी देता रहता है। इसलिए भी आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विशेष महत्व है।

पत्रकारिता विशेष तौर से राजनीतिक तथा राजनीति नेतृत्व को जनप्रतिनिधियों को उनके काम एवं उनके आचरण को जनता के समक्ष बनाए रखने का विशेष कार्य करती हैं। पत्रकारिता इस प्रकार संतुलन बैठाती है कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी पक्ष की उपेक्षा तथा अवहेलना नहीं होती। लोकतंत्र में पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण स्थान माना जाता हैं या हम यह भी मान सकते है कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ होता है। "पत्रकारिता साधन एवं साध्य दोनों है। पत्रकारिता केवल सूचना-संप्रेषण करने वाली विधा मात्र न होकर दूरगामी सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक परिवर्तन के उद्देष्य की पूर्ति के लिए साधन के रूप में प्रयुक्त होती हे। साथ ही साथ जनाकांक्षों की अभिव्यक्ति एवं जनता व शासन व्यवस्था के बीच की विष्वसनीय कड़ी बनना अपने आप में साध्य है।"

उक्त प्रकार से पत्रकारिता की राजनीति में अहम भूमिका होती है। "पत्रकारिता में अपने लम्बें अनुभव के आधार पर आलोक मेंहता लिखते हैं- "पत्रकार चाय की केतली की तरह है, जिसे गर्म पानी डाले हुए भी स्वंय ठंडा रहना है पत्रकारिता का मतलब यह है कि यर्थाथ में जीना और सत्य पाने एवं सही रास्ता दिखाने के लिए ठीक देखना और उसका वर्णन करना।"

वे पत्रकारिता के जनक पुलित्जर को उद्धृत करते हुए कहते हैं- "ऊँचे आचार-सिद्धांतों के बिना समाचार-पत्र और उसके पत्रकार सरकारी अफसरों की तरह न केवल विफल होंगे वरन समाज के लिए खतरनाक भी हो जाएंगे।"

पत्रकारिता एक ऐसा विषय है जो आज के दौर में सर्वाधिक उन्माद रखता है अर्थात मानविकी विषय में पत्रकारिता सबसे आगे अपना स्थान रखता है। पत्रकारिता ही संसार में जो बडे से बड़े पदों पर विराजमान होकर अपना वास्तविक कर्तव्य से विमुख हो चुके है उनसे कर्तव्य पालन कराने में अपनी हम भूमिका निभा सकती है। यही कारण है कि आधुनिक दौर में पत्रकारिता अपनी विषेष साख रखती है। यही कारण है कि आज का युवा पत्रकार बनना चाहता है। परन्तु सैद्धांतिक ज्ञान के साथ ही साथ उसे व्यवहारिक पत्रकारिता की ओर एक कदम बढ़ाना होगा। यदि उसे व्यवहारिक जानकारी भी मिलती है तो उसका पत्रकारिता सीखने का मार्ग और भी सरलतापूर्वक सहज हो जायेगा। आधुनिक माध्यम पत्रकारिता में विषेष महत्व रखता है।

"आधुनिक संचार माध्यमों का संबंध हमारी वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति से जुड़ा हुआ है। भाषा और लिपि के विकास के क्रम में मनुष्य की सबसे बड़ी खोज मुद्रण तकनीक है। छपे हुए अक्षरों से जिस आधुनिक संचार की शुरूआत हुई थी, अब उसने ध्वनि तथा दृष्य का रूप ले लिया है। आधुनिक संचार माध्यमों का ही कमाल है कि हम घर बैठे दुनियां भर की गतिविधियों से पलक झपकते ही वाकिफ हो जाते हैं। दुनिया के किसी कोने में अपनी भावनाओं, सूचनाओं या जानकारियों को पल भर में भेज सकते है और मनोनुकूल सूचनाएं या जानकारियाॅं प्राप्त कर सकते है।"

गॉधीजी और हिन्दी पत्रकारिता-

"सन् 1920 में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में कांग्रेस का एक विषेष अधिवेषन आहूत हुआ। जिसमें

www.ignited.in

गाॅंधी जी के नेतृत्व में हिन्दी को राष्ट्र भाषा माना गया। श्री षिवप्रसाद गुप्त ने 5 अप्रैल 1920 को "आज" हिन्दी पत्र का प्रकाषन किया। " दैनिक वर्तमान" और "प्रताप" भी इसके बाद निकले। काग्रेस ने सामान्य जनता तक पहुॅंचने के लिए हिन्दी भाषा को अपनाया। फलतः हिन्दी पत्रकारिता दुरतगति से आगे बढ़ी जैसे-जैसे राष्ट्रीय आंदोलन तीव्र हुआ हिन्दी पत्रकारिता सशक्त और तेजस्वी हुई। कांग्रेस के असहयोग आंदोलन के साथ हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास जुड़ा हुआ है।"

उक्त प्रकार से हमने समझा कि आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का कितना विशेष महत्व है जनमानस के लिए। हिन्दी पत्रकारिता देश के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है जो हिन्दी पाठकों को सूचित करने तथा उन्हें जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। हिन्दी पत्रकारिता ही सामाजिक समरसता को तथा सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने का सशक्त कार्य करती है। हिन्दी पत्रकारिता ही अन्याय असमानता, गरीबी तथा असामाजिक तत्वों के मुददों को उजागर निर्भिकता के साथ करने का साहस रखती है। हिन्दी पत्रकारिता के माध्यम से सांस्कृतिक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा मिलता है।

पत्रकारिता का क्षेत्र विविधात्मकता के साथ-साथ बहुत व्यापक भी है मानव जीवन का हरेक पक्ष पत्रकारिता से अलग नहीं है या अछूता नहीं हो सकता है। क्योंकि आज के युग में हरेक विषय से संबंधित पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन निष्चित रूप से होता है। इसलिए हरेक समूह का व्यक्ति अपने विषय की अधिक तथा नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए पत्रकारिता को महत्व देता है। पत्रकारिता का व्यापक रूप होने के कारण वह साहित्यक, व्यवसाय, व्यंग्य, हास्य, वाणिज्य, विज्ञान, धर्म, खेलकूद फिल्म, विज्ञापन, मौसम की जानकारी, कृषि विज्ञान, फैशन चिकित्सा जानकारी (क्षेत्र) एवं ग्रामीण क्षेत्र में भी अपनी जगह बना चुका है या ऐसा कह सकते है कि आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता अपना विशेष महत्व प्रदर्षन कर चुकी है। आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता के बढ़ते महत्व को देखते हुए वर्तमान में अनेकों मैग्जीन, पत्र-पत्रिकाए, समाचार-पत्र, प्रकाषित हो रहें हैं। जिन्हें पढकर पाठक लाभान्वित हो रहे है। जैसे कि-

" वार्षिकी" मैगजीन कुछ छः माहि कुछ मासिक मैगजीन जैसे किः-

(1) सिर्फ "मध्यप्रदेश" करंट अफेयर्स (वार्षिकी) (2) मध्यप्रदेश पुलिस आरक्षक विशेषांक (3) रेल्वे सामान्य, अध्ययन (4) करंट अफेयर्स वार्षिकांक (5) गृहशोभा, (6) सरिता (7) तथा अनेकों समाचार पत्र जैसे दैनिक भास्कर, पत्रिका, राज एक्सप्रेस, हरिभूमि, सांध्य प्रकाश, अमर उजाला, हिन्दुस्तान-टाईम्स, नव-भारत, नई दुनिया, जागरण, द-हिन्दु इत्यादि।

हाल ही में मई 2023 में न्यूयार्क में हिन्दी महोत्सव मनाया जा रहा हे जिसमें 7 मई 2023 से 23 मई तक अमेरिका के अलग-अलग मंचो पर कविता पाठ भोपाल की कवियित्री अनु सपन करेंगी। भोपाल से शामिल होने वाली ये इकलौती हैं, जो तीसरी बार अमेरिका की कला यात्रा पर है।

उक्त प्रकार की विवेचना से ज्ञात होता है कि आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विशेष महत्व है आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता का विकास त्रिस्तरीय हुआ है। इसका एक स्तर राष्ट्रीय तो दूसरा स्तर प्रादेशिक तथा तीसरा स्तर जिला स्तरीय रहा इस प्रकार आधुनिक हिन्दी पत्रकारिता ने वैष्विक स्तर पर धूम मचा दी है। पत्रकारिता के युग निर्माता श्रृंखला के प्रमुख पत्रकार निम्न प्रकार से उल्लेखनीये हैं।

1- माधवराव सप्रे
2- बनारसीदास चतुर्वेदी
3- माखनलाल चतुर्वेदी
4- राहुल बारपुते
5- शिवपूजन सहाय
6- हनुमान प्रसाद पोद्दार
7- महात्मा गांधी
8- राजेन्द्र माथुर
9- हेमन्त कुमारी देवी चैधरी
10- प्रभाश जोषी
11- मनोहर श्याम जोशी
12- कर्पूरचंद्र कुलिश
13- बालकृष्ण शर्मा (नवीन)
14- कृष्णानंद गुप्त

संदर्भ सूची

(1) राजनीतिक पत्रकारिता लेखक-राकेश सिन्हा प्रकाश-प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-110002 पृ.सं.-217 संस्करण-प्रथम, 2007

(2) राजनीतिक पत्रकारिता लेखक-राकेश सिन्हा प्रकाशक प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली-110002 पृ.सं-219 संस्करण-प्रथम, 2007

(3) व्यवहारिक पत्रकारिता लेखक-डॉ. मुष्ताक अली प्रकाशक साहित्य संगम, इलाहाबाद संस्करण-प्रथम 2007 पृ.सं-116

(4) स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी पत्रकारिता लेखक-डॉ. अर्जुन तिवारी प्रकाशक-विश्वविद्यालय प्रकाशन चैक, वाराणसी संस्करण-प्रथम 1982 पृ.सं-111

(5) हिन्दी दैनिक समाचार पत्र दैनिक भास्कर दिनांक 5 मई 2023 शुक्रवार पृ.सं-2

(6) पत्रकारिता के युग निर्माता राजेन्द्र माथुर लेखक-शिव अनुराग पटैरया प्रकाशक- प्रभात प्रकाशन दिल्ली-110002 प्रथम संस्करण-2010 पृ.सं. 2

Corresponding Author

मंजूलता सराठे*

शोधार्थी, भाभा विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)